

जन्म लियो कान्हा ने

बोलो जय जयकार जन्म लियो कान्हा ने,
झुम उठो संसार जन्म लियो कान्हा ने,
छाई खुशी अपार जन्म लियो कान्हा ने,
सोले कला अवतार जन्म लियो कान्हा ने ,
अरे बोलो जय जयकार.....

जन्म लियो जब कान्हा ने तो ऐसी माया फिरगी,
कडके बिजली आसमान में काली घटाये घिरगी,
बरसे मुसलधार जन्म लियो कान्हा ने ,
अरे बोलो जय जयकार.....

किस्मत से है आई देखो आज कैसी शुभघडियां,
बन्दी घर के ताले टूटे खुल गई है हथकडियां,
सोगे पहरेदार जन्म लियो कान्हा ने ,
अरे बोलो जय जयकार.....

वासुदेव चले कान्हा को ले जब गोकुल की राही,
कान्हा के दर्शन करने को जमुना भी चढ आई,
पहुंच नन्द के द्वार जन्म लियो कान्हा ने ,
अरे बोलो जय जयकार.....

नन्द बाबा और मात यशोदा फूले नही समाये,
ब्रज भुमि मे ग्वाल गोपियां मिलके खुशी मनाये,
गाये रामोतार जन्म लियो कान्हा ने ,
अरे बोलो जय जयकार.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6445/title/sole-kala-avtar-janam-liyo-kanha-ne>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |